नगर राजभाषा

कार्यान्वयन समिति,

कार्यालय क्रमांक–02, जबलपुर

वर्ष : 2024

अंक : 05

सरल

वार्षिक पत्रिका

जनवरी– दिसम्बर

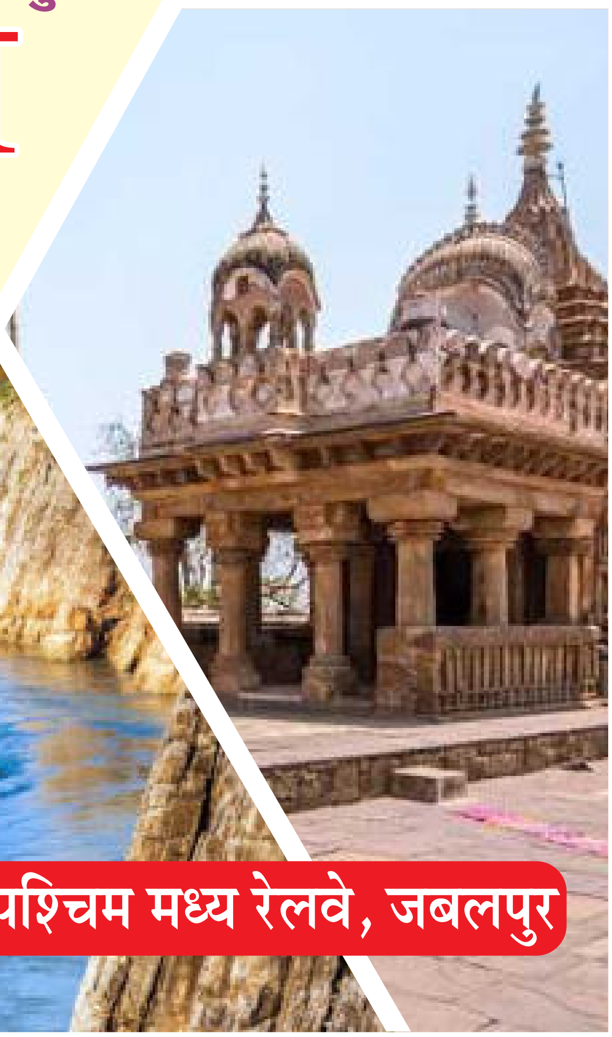

नराकास, सचिवालय सह महाप्रबंधक, कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संपादकीय

संपादक की कलम से .....

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्रमांक – 02, जबलपुर की गृह पत्रिका 'सरल' का 05वां अंक आपको सौंपते हुए मुझे अत्यंत खुशी हो रही है कि यह पत्रिका नियमित रूप से हमारे सदस्य कार्यालयों तक पहुँच रही है। हमारा सदैव यह प्रयास रहा है कि इस पत्रिका का प्रत्येक अंक सदस्य कार्यालयों तथा पाठकों की अपेक्षा व आकांक्षाओं पर खरा उतरे।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के दिशा निर्देशानुसार केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के प्रगामी–प्रयोग को बढ़ावा देने और भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में आ रही कठिनाइयों को दूर करने के उद्देश्य से नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है । इन समितियों की वर्ष में दो बैठकें आयोजित की जाती हैं जिनमें वर्ष भर की राजभाषा गतिविधियों और राजभाषा प्रगति की समीक्षा की जाती है तथा पाई गई कमियों पर समिति सदस्यों का ध्यान आकृष्ट किया जाता है तथा आपसी संवाद से उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाता है। यह हम सब के लिए गौरव की बात है कि 14 सितम्बर, 2024 को संघ की राजभाषा के रूप में हिंदी ने अपने स्वर्णिम 75 वर्ष पूर्ण किए हैं। 75 वर्ष की इस गौरवशाली यात्रा में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की महती भूमिका रही है।

संघ की राजभाषा नीति के अनुसार यह हमारा संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधित अनुदेशों का अनुपालन तत्परता एवं पूर्ण निष्ठा के साथ करें। हम स्वयं मूल कार्य राजभाषा हिंदी में करते हुए अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भी राजभाषा अधिनियम, नियम, संकल्प आदि का अनुपालन सुनिश्चित कराएं ताकि प्रशासन में पारदर्शिता आये और आमजन सभी सरकारी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ निर्बाध रूप से उठा सकें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमें भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा सफल राजभाषा कार्यान्वयन हेतु सुझाये गये बारह 'प्र' को ध्यान में रखकर राजभाषा हिंदी का प्रभावी कार्यान्वयन करने की दिशा में सफलता प्राप्त होगी और हम सब मिलकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत : सुदृढ़ आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने में सफल होंगे।

इस अंक में सभी सदस्य कार्यालयों की राजभाषा गतिविधियों को छायाचित्रों सहित प्रकाशित कर इसे सूचना परक बनाने का प्रयास किया गया है। आशा है कि यह अंक आपको पसंद आयेगा।

हम अपने सभी सदस्य कार्यालयों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और सुधी पाठकों से विनम्र अनुरोध करते हैं कि वे पत्रिका को और अधिक सुरुचिपूर्ण बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत कराएँ।

नववर्ष 2025 की हार्दिक शुभकामनाओं सहित .....

(संतलाल मर्सकोले)
सचिव, नराकास कार्या. क्र.–02, जबलपुर

अमित शाह
गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री
भारत सरकार

प्रिय देशवासियो!

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

इस वर्ष का हिंदी दिवस समारोह विशेष है, क्योंकि 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किए जाने के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि राजभाषा विभाग द्वारा इसे 'राजभाषा हीरक जयंती' के रूप में मनाया जा रहा है।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पुरातन सभ्यता और भाषिक विविधता के लिए दुनिया में विशिष्ट स्थान रखता है। क्षेत्रीय भाषाओं ने हमारी अतुलनीय सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने और देशवासियों को भारतीयता के अटूट सूत्र में पिरोने का काम किया है। अतः हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं को भारतीय अस्मिता का प्रतीक कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वराज, स्वदेशी और स्वभाषा पर विशेष बल दिया गया था। हिंदी ने तब से लेकर आज तक, देश की विविधता में एकता स्थापित करने और सामूहिक सद्भावना को सुदृढ़ करने का महती कार्य किया है। हिंदी की इसी शक्ति के कारण उन दिनों हिंदी की स्वीकार्यता को बढ़ावा देने वालों में लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी, लाला लाजपत राय, नेताजी सुभाषचन्द्र बोस, राजगोपालाचारी एवं अन्य गैर-हिंदीभाषी महानुभावों की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। आजादी के बाद हिंदी की इसी सर्वसमावेशी प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए हमारे संविधान निर्माताओं ने हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया तथा संविधान की आठवीं अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषाओं को स्थान दिया।

हिंदी एक ऐसी भाषा है, जिसमें आपको देश की कई भाषाओं के तत्व मिल जाएँगे। इसका इतिहास लिखने वालों ने तो रासो ग्रंथों, सिद्धों-नाथों की वाणियों से लेकर भक्तिकाल के संत कवियों और खड़ी बोली तक इसकी परम्परा को माना है। कवि चंदबरदाई से लेकर महाकवि विद्यापति, ज्योतिरीश्वर ठाकुर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, आंडाल, गुरू नानकदेव जी, संत रैदास, कबीरदास जी से लेकर आज तक कई साहित्यकारों व भाषाविदों ने भारतीय भाषाओं के माध्यम से हिंदी का मार्ग प्रशस्त किया। इसके विकास में उन असंख्य लोकभाषाकारों का भी अमूल्य योगदान है, जो गायन-वादन के द्वारा इस भाषा के आदिरूपों को जन-जन तक पहुँचाते रहे। हिंदी भाषा मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज, हरियाणवी, राजस्थानी, मेवाती, गुजराती, छत्तीसगढ़ी, बघेली, कुँमाउनी, गढ़वाली जैसी मातृभाषाओं के समन्वित रूप से ही तो बनी है। मुझे खुशी है कि हिंदी भाषा इन मातृभाषाओं को अक्षुण्ण रखते हुए आगे बढ़ रही है और लगातार विकसित हो

रही है। आज जब राजभाषा के रूप में हिंदी अपनी 75वीं वर्षगाँठ पूरी कर रही है, तब हमें इसका यह इतिहास जरूर याद रखना चाहिए।

14 सितंबर, 1949 से लेकर लगातार राजभाषा के रूप में हिंदी के संवर्धन के अनेक काम हुए हैं। राजभाषा विभाग की विशाल यात्रा को पीछे मुड़ कर देखें, तो हमें कई महत्वपूर्ण पड़ाव दिखाई देते हैं, जहाँ इस विभाग ने जिम्मेदारीपूर्वक सरकारी तंत्र को भाषिक चेतना के प्रति प्रेरित किया है।

साल 1977 में श्रद्धेय **अटल बिहरी वाजपेयी जी** ने तत्कालीन विदेश मंत्री के रूप में पहली बार संयुक्त राष्ट्र की आम सभा को हिंदी में संबोधित कर राजभाषा का मान बढ़ाया। माननीय **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी** जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी भाषा में संबोधन देते हैं और भारतीय भाषाओं के उद्धरण देते हैं, तो समूचे देश में अपनी भाषा के प्रति गौरव के भाव को और बल मिलता है। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने राजभाषा को और भी समृद्ध व सक्षम बनाने के हर संभव कार्य किए हैं। 2018 में अनुवाद टूल कंठस्थ का लोकार्पण हो, 2020 में भारत की नई शिक्षा नीति में मातृभाषाओं को विशेष महत्व देने की अनुशंसा हो, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आधिकारिक भाषाओं की सूची में कश्मीरी, डोगरी और हिंदी को शामिल करने के लिए विधेयक पारित करना हो, 2022 में हिंदी दिवस पर कंठस्थ 2.0 का लोकार्पण हो या साल 2021 से हर साल हिंदी दिवस पर 'अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' आयोजित करना हो, सरकार राजभाषा व भारतीय भाषाओं के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है। साथ ही, संसदीय राजभाषा समिति ने अपने प्रतिवेदन का 12वाँ खंड भी माननीय राष्ट्रपति महोदया को सौंप दिया है।

राजभाषा में कार्यों को प्रोत्साहन देने हेतु हमने साल 2022 से संशोधित राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना भी शुरू की है जिसके तहत ज्ञान-विज्ञान, अपराध शास्त्र अनुसंधान, पुलिस प्रशासन, संस्कृति, धर्म, कला, धरोहर एवं विधि के क्षेत्र में राजभाषा में मौलिक पुस्तक लेखन हेतु पुरस्कार दिए जाते हैं। साथ ही, राजभाषा विभाग ने डिजिटल शब्दकोश 'हिंदी शब्द सिंधु' का निर्माण भी किया है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यह और भी आवश्यक हो जाता है कि हिंदी एवं भारतीय भाषाओं के माध्यम से जन-जन तक संवाद स्थापित करते हुए राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित की जाए। यह अत्यंत आवश्यक है कि हम व्यापक रूप से सरल और सहज भाषा का प्रयोग करके राजभाषा और जनभाषा के बीच की दूरी को पाटें, ताकि देश के हर वर्ग का नागरिक देश की प्रगति से परिचित भी हो और लाभान्वित भी। इस तरह 'आत्मनिर्भर भारत' व 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी भारतीय भाषाओं की सशक्त भूमिका रहने वाली है।

मुझे विश्वास है कि हिंदी दिवस एवं राजभाषा हीरक जयंती समारोह, मातृभाषाओं के प्रति राजभाषा विभाग की प्रतिबद्धता को और भी ऊँचाई देने का सार्थक माध्यम बनेगा। मैं राजभाषा विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

वंदे मातरम!

नई दिल्ली
14 सितंबर, 2024

(अमित शाह)

पश्चिम मध्य रेलवे

शोभना बंदोपाध्याय
अध्यक्ष, नराकास कार्यालय क्र. 02 एवं
महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02, जबलपुर की राजभाषा गृह पत्रिका 'सरल' के 05 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। इस पत्रिका का नियमित प्रकाशन आप सबकी राजभाषा हिंदी के प्रति गहरी निष्ठा एवं लगाव का सुपरिणाम है।

14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि इस ऐतिहासिक दिन के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 एवं 15 सितंबर, 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं राजभाषा हीरक जयंती वर्ष का आयोजन किया गया। हिंदी के राजभाषा बनने की 75 वर्ष की गौरवमयी यात्रा ने न केवल कई महत्वपूर्ण पड़ाव पार किए हैं बल्कि तकनीक के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति भी की है।

केन्द्रीय सरकार की राजभाषा नीतियों के बेहतर एवं कारगर कार्यान्वयन और व्यापक प्रयोग-प्रसार के लिए भारत सरकार सतत् प्रयासरत है। अत: यह हमारा नैतिक कर्त्तव्य एवं संवैधानिक दायित्व है कि हम राजभाषा संबंधी संवैधानिक उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करें और संघ के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से निष्पादन करें।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सभी सदस्य कार्यालयों को अपनी ओर से बधाई देती हूँ और भविष्य में इसकी उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करती हूँ।

(शोभना बंदोपाध्याय)

पश्चिम मध्य रेलवे

मनोज कुमार गुप्ता
मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

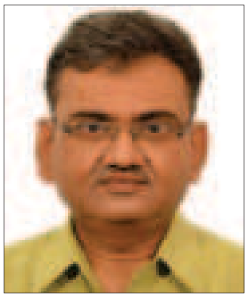

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यधिक प्रसन्नता है कि नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति, कार्यालय क्रमांक 02, जबलपुर की राजभाषा गृह पत्रिका 'सरल' के 05 वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है ।

भारत अनेक भाषाओं एवं बोलियों का देश है। हमारी संस्कृति अनेकता में एकता का संदेश देने वाली है। 14 सितम्बर, 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया, हिंदी अपने सहज, सरल एवं सर्वसमावेशी स्वभाव के कारण ही भारत संघ की राजभाषा बनी।

केन्द्रीय सरकार के शासकीय प्रयोजनों में राजभाषा हिंदी को लागू करने के लिए संविधान के भाग 05, भाग 06 एवं भाग 17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान किए गए, तदुपरांत इसके प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा अधिनियम, राजभाषा संकल्प एवं राजभाषा नियम बनाए गए। इनके तहत जारी आदेशों के माध्यम से केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी का प्रभावशाली कार्यान्वयन किया जा रहा है।

यह हमारा संवैधानिक दायित्व है कि हम दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और हिंदी के विकास में अपना अमूल्य योगदान दें। इस दिशा में इस पत्रिका का प्रकाशन एक महत्वपूर्ण कदम है।

मैं 'सरल' राजभाषा पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों और सभी सदस्य कार्यालयों को अपनी ओर से बधाई देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इससे लाभान्वित होंगें।

(मनोज कुमार गुप्ता)

वर्ष – 2024 | जनवरी – दिसम्बर | अंक – 05

संरक्षक
श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय
अध्यक्ष, नराकास कार्या. क्र. 2, जबलपुर
एवं
महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे

मार्गदर्शक
मनोज कुमार गुप्ता
मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे

परामर्श
प्रज्ञेश निम्बालकर
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं
उप. मुख्य संरक्षा अधिकारी (यांत्रिक),पमरे

संपादक
संतलाल मर्सकोले
सचिव, नराकास एवं
राजभाषा अधिकारी, पमरे

कार्यकारी संपादक
राकेश कुमार मालवीय
वरिष्ठ अनुवादक

सहयोग
सभी नराकास सदस्य कार्यालय

पत्राचार का पता
संपादक
सरल
नराकास सचिवालय
सह महाप्रबंधक कार्यालय, पमरे
इंदिरा मार्केट, जबलपुर-482001 (म.प्र.)
मोबाइल : 97524 15614, 97527 84250
ई-मेल : narakas02jabalpur@gmail.com

मुद्रक : सोलार आफसेट, जबलपुर

* सीमित मात्रा में निःशुल्क वितरण हेतु।

अनुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	पृष्ठ क्रं.
1.	हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्यक्रम	02
2.	नराकास सचिवालय सह महाप्रबंधक कार्यालय, पमरे	03
3.	मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे	04
4.	महानिदेशक, लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे	05
5.	भारतीय खान ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर	06
6.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय	07
7.	भारतीय सर्वेक्षण विभाग: मध्यप्रदेश भू-स्थानिक निदेशालय	08
8.	भा.वा.अ.शि.प.-उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान	09
9.	भारतीय प्राणि सर्वेक्षण मध्य क्षेत्र प्रादेशिक केंद्र	10
10.	आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर	11
11.	पावर ग्रिड जबलपुर उपकेंद्र	12
12.	जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर	13
13.	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 1 एसटीसीए	14
14.	केन्द्रीय विद्यालय, उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान	15
15.	रेल डाक सेवा जेबी मण्डल	16
16.	भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय-जबलपुर	17
17.	कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय, जबलपुर	17
18.	नराकास कार्यालय क्रमांक 02 के सदस्या कार्यालयों की सूची	18-21
19.	छाया चित्र-वीथिका	22-24

हिंदी हमारे राष्ट्र की अभिव्यक्ति का सरलतम स्त्रोत है- सुमित्रानंद पंत

हर भारतीय की शक्ति है हिंदी, सरल, सहज अभिव्यक्ति है हिंदी।

राजभाषा हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2024-25 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.	कार्य विवरण	क क्षेत्र	ख क्षेत्र	ग क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1.क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 100% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2. ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3. ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 90% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2. ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3. ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 55% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति
2	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल वस्तुओं अर्थात हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय	50%	50%	50%
10	कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों की	100%	100%	100%
11	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बार्डों आदि का प्रदर्शन द्विभाषी हो	100%	100%	100%
13	(।) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कायालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(।।) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
	(।।।) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित निरीक्षण अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक	
14.	राजभाषा संबंधी बैठकें			
	(क) हिंदी सलाहकार समिति	वर्ष में 2 बैठकें		
	(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छ:माही एक बैठक)		
	(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति	वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)		
15	कोड,मैनुअल,फार्म,प्रक्रिया और साहित्य का हिंदी अनुवाद	100%	100%	100%
16	मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंको/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों	40%	30% (न्यूनतम अनुभाग) सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है क क्षेत्र में कुल कार्य का 40% ख क्षेत्र में 25% ग क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए।	20%

नराकास सचिवालय सह महाप्रबंधक कार्यालय पमरे

गृह मंत्रालय एवं रेलवे बोर्ड के दिशा निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी नराकास सचिवालय सह महाप्रबंधक कार्यालय, पमरे सहित पश्चिम मध्य रेलवे के मंडलों, कारखानों एवं अन्य विभागों/कार्यालयों में हिंदी दिवस, राजभाषा सप्ताह, राजभाषा पखवाड़ा एवं राजभाषा मास का सफल आयोजन किया गया। सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित कार्यक्रम के अनुसार राजभाषा विभाग, मुख्यालय, पमरे, जबलपुर द्वारा दिनांक 17.09.2024 से 30.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा-2024, का सफल आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

दिनांक 17 सितम्बर 2024 को राजभाषा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर महाप्रबंधक कार्यालय के विभिन्न विभागों में महाप्रबंधक महोदया जी के ''हिंदी दिवस'' संदेश का वाचन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 18 सितम्बर, 2024 को श्री मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक की अध्यक्षता में राजभाषा प्रश्न मंच (कर्मचारी वर्ग) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक कार्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत लगभग 60 कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दिनांक 19 सितम्बर, 2024 को 'पर्यावरण संरक्षण और हमारा दायित्व', विषय पर हिंदी निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 25 कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिनांक 20 सितम्बर, 2024 को टिप्पण एवं प्रारुप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 17 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसी तरह दिनांक 24 सितम्बर, 2024 को ''हंसता चेहरा, खिलता फूल, हिंदी भाषा राष्ट्र अनुकूल'' विषय पर हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 12 कर्मचारियों ने भाग लिया।

इसी क्रम में दिनांक 25 सितम्बर, 2024 को तत्कालीन अपर महाप्रबंधक श्री रवि शंकर सक्सेना जी की अध्यक्षता एवं श्री मनोज कुमार गुप्ता, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक के मुख्य आतिथ्य में 'अधिकारी राजभाषा प्रश्नमंच कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री नीरज कुमार, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में 30 अधिकारियों ने भाग लिया। दिनांक 27.09.2024 को श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे की अध्यक्षता में मुख्यालय, जबलपुर में 'क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 66 वीं तिमाही बैठक' संपन्न हुई। उक्त बैठक के दौरान हिंदी पत्रिका 'राजभाषा सरिता' के 50 वें स्वर्ण जयंती अंक का विमोचन किया गया । इस बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, श्री मनोज कुमार गुप्ता, विभागों के विभाग प्रमुख, मंडलों एवं कारखानों के समिति सदस्य एवं अन्य अधिकारीगण शामिल हुए। बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री संतलाल मर्सकोले ने किया एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री प्रज्ञेश निंबालकर ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दिनांक 30.09.2024 को श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्य आतिथ्य में 'राजभाषा पखवाडा पुरस्कार वितरण, कवि सम्मेलन एवं समापन समारोह' का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वर्षभर राजभाषा हिंदी का उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्य करने के लिए पश्चिम मध्य रेलवे संरक्षा विभाग को अंतर विभागीय राजभाषा शील्ड एवं वाणिज्य विभाग को 'अंतर विभागीय राजभाषा ट्रॉफी' तथा सवारी डिब्बा पुनर्निर्माण कारखाना, भोपाल को 'अंतर कारखाना राजभाषा शील्ड' सहित पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय, मंडलों, कारखानों एवं अन्य कार्यालयों में कार्यरत 88 रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार श्री विवेक शील, मंडल रेल प्रबंधक के संरक्षण एवं तत्कालीन अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति यूनिट) श्री संजय कुमार के मार्गदर्शन में जबलपुर मंडल पर 17 सितंबर से 24 अक्टूबर, 2024 तक राजभाषा मास–2024 मनाया गया। राजभाषा मास के दौरान मंडल कार्यालय एवं अन्य अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा प्रश्नमंच, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, हिंदी निबंध लेखन, हिंदी शुद्ध–लेखन एवं वाक् प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

24 अक्टूबर 2024 को उमंग सामुदायिक भवन (रेलवे स्टेडियम के सामने, मंडल कार्यालय परिसर) में मंडल रेल प्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा मास–2024 का समापन समारोह संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके बाद राजभाषा अधिकारी श्री डी.के. शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी व सीपीएम (गति शक्ति यूनिट) श्री संजय कुमार सिंह के उद्बोधन के बाद श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के हिंदी दिवस संदेश–2024 का वाचन किया गया।

तदुपरांत, मंडल रेल प्रबंधक महोदय के कर–कमलों से मंडल के राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक राजभाषा गृह–पत्रिका 'प्रगति पथ' के 18 वें का विमोचन किया गया जिसमें अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, राजभाषा अधिकारी एवं अन्य शाखा अधिकारीगण भी शामिल हुए।

इसके पश्चात् सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम जबलपुर मंडल के रेल सुरक्षा बल के जवानों ने सैक्सोफोन व ट्रम्पेट की मनोहारी जुगलबंदी प्रस्तुत की जिस पर करतल ध्वनि से पूरा हॉल गुंजायमान हो गया। इसके बाद जबलपुर मंडल सांस्कृतिक अकादमी के नाट्य–दल द्वारा 'सुदामा के चावल' नाटक का भव्य मंचन किया गया। नाटक–मंचन के पश्चात् एक कवि–सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध कवि श्री मन्नान फराज (मुंबई), इंजीनियर विनोद नयन (जबलपुर), विवेक कुमार गुप्ता (वरि.मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर/समन्वय, जबलपुर मंडल) एवं अनुराधा पाण्डे 'अंजनी' (रीवा) ने काव्य पाठ कर उपस्थित महानुभावों को मंत्र–मुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद वर्ष भर दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के सर्वाधिक एवं सराहनीय प्रयोग–प्रसार करने वाले 10 अधिकारियों तथा 50 कर्मचारियों, राजभाषा मास–2024 के दौरान आयोजित विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं के सफल प्रतिभागियों को श्री विवेक शील, मंडल रेल प्रबंधक महोदय के कर कमलों से प्रशस्ति–पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। राजभाषा मास–2024 के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों के अलावा, रेल कर्मचारियों द्वारा अपनी बात प्रस्तुत करने में होने वाली झिझक को दूर करने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक महोदय के आदेशानुसार मंडल कार्यालय एवं मंडल के अधीनस्थ कार्यालयों एवं प्रमुख स्टेशनों पर विशेष वाक् प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सफल 111 प्रतिभागियों को भी उक्त अवसर पर प्रशस्ति–पत्र एवं नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

इस अवसर पर राजभाषा विभाग, मंडल कार्यालय, जबलपुर ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे अपने दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें तथा जबलपुर मंडल को नित्य नई ऊँचाइयों पर ले जाएं। उक्त पूरे मास के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री डी. के. शुक्ला जी की मार्गदर्शन में किया गया।

महानिदेशक, लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे

महानिदेशक, लेखा परीक्षा कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के मुख्यालय कार्यालय तथा तीनों मंडल कार्यालयों (जबलपुर, कोटा एवं भोपाल) में दिनांक 14 से 29 सितम्बर 2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया । मुख्यालय कार्यालय तथा मंडल कार्यालय, जबलपुर में राजभाषा पखवाड़ा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। इस दौरान कार्यालय के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करते हुए, अपना समस्त दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में संपन्न करने का संकल्प लिया तथा राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

राजभाषा पखवाड़ा-2024 के दौरान हिंदी निबंध, तात्कालिक भाषण, हिंदी टिप्पण एवं अनुवाद प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त फोटोग्राफी प्रतियोगिता का भी सफल आयोजन किया गया जिनमें निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किये गये ।

अधिकारी/कर्मचारी का नाम व पदनाम	यूनिट/अनुभाग	प्रतियोगिता में प्राप्त स्थान
निबंध प्रतियोगिता		
श्री संजय सिंह, सहा. ले. प. अधिकारी	यातायात/ निरीक्षण	प्रथम
श्री शिवम् पाण्डेय लेखा परीक्षक	निरीक्षण/ मुख्यालय	द्वितीय
श्री उमेश चन्द्र पाण्डे, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	प्रतिवेदन अनुभाग	तृतीय
तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता		
श्री राहुल कुमार, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण /मुख्यालय	प्रथम
श्री त्रिवेणी संगम, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	मंडल कार्यालय	द्वितीय
श्री संजय सिंह, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	यातायात/ निरीक्षण	तृतीय
हिंदी टिप्पण व अनुवाद प्रतियोगिता		
श्री संजय सिंह, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	यातायात/ निरीक्षण	प्रथम
श्री विवेकानंद प्रसाद सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण /मुख्यालय	द्वितीय
श्री राहुल कुमार, सहा. लेखा परीक्षा अधिकारी	निरीक्षण /मुख्यालय	तृतीय

एकल/अनुभाग स्तर पर इस वर्ष -2024 के दौरान यातायात निरीक्षण अनुभाग को राजभाषा हिंदी का सर्वाधिक एवं उल्लेखनीय कार्य करने के लिए राजभाषा चल शील्ड प्रदान की गई तथा व्यतिगत स्तर पर भी यातायात निरीक्षण अनुभाग के श्री प्रिदोष सिंह, लेखा परीक्षक को हिंदी में सर्वाधिक एवं प्रशंसनीय कार्य करने के लिए राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया।

भारतीय खान ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर

भारतीय खान ब्यूरो की स्थापना 1 मार्च 1948 को हुई थी । यह भारत सरकार, खान मंत्रालय का अधीनस्थ कार्यालय है। प्रारंभ में भारतीय खान ब्यूरो शुद्ध रूप से एक परामर्शी निकाय एवं तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान करने का कार्य करता था। तत्पश्चात खानों का निरीक्षण एवं खनिज संभावनाएं भी भारतीय खान ब्यूरो के क्रियाकलाप में शामिल हो गए। पिछले दशक में सरकार की नीति में बदलाव के साथ भारतीय खान ब्यूरो द्वारा दो बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य अपने हाथ में लिए गए । प्रथम कार्य था देश की सभी खानों के लिए खनन योजनाओं का प्रक्रमण एवं अनुमोदन तथा दूसरा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए नियमों का कार्यान्वयन।

भारतीय खान ब्यूरो ने इस चुनौती को स्वीकार किया तथा 'खान पर्यावरण तथा संरक्षण सप्ताह' के माध्यम से खानों की पर्यावरण की सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा। भारतीय खान ब्यूरो का मुख्यालय नागपुर में स्थित है। मुख्यालय के अतिरिक्त भारतीय खान ब्यूरो के अन्तर्गत चार आंचलिक एवं 13 क्षेत्रीय कार्यालय आते है साथ ही 3 खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला जो कि अजमेर, नागपुर एवं बेंगलुरू में स्थित है । ये भी भारतीय खान ब्यूरो के अन्तर्गत आते हैं। भारतीय खान ब्यूरो, जबलपुर कार्यालय क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा क्षेत्रीय कार्यालय है। जिसके क्षेत्राधिकार में सम्पूर्ण मध्य प्रदेश एवं आंशिक रूप से उत्तर प्रदेश (जिला – प्रयागराज, बांदा, छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, हमीरपुर, झांसी, कौशाम्बी, ललितपुर, महोबा, मिर्जापुर, सोनभद्र आदि) भी आते हैं। भारतीय खान ब्यूरो, जबलपुर के अन्तर्गत प्रधान खनिज कि 690 (306 कार्यशील एवं 384 शिथिल) खदानें आती हैं।

गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुपालन में इस कार्यालय में दिनांक 17/09/2024 से 01/10/2024 तक राजभाषा पखवाड़ा आयोजित किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ श्री पुखराज नेणिवाल, क्षेत्रीय खान नियंत्रक महोदय की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री, खान मंत्री एवं मंत्रिमंडल सचिव के हिंदी दिवस संदेशों का वाचन क्रमशः श्री इब्राहिम शरीफ, उप खान नियंत्रक एवं श्री माधवराव साबरे, वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी द्वारा किया गया। पखवाड़े के दौरान वाद–विवाद, सुलेख, निबंध, नारा, हिंदी अनुवाद, टिप्पण एवं आलेखन, भाषण, कविता पाठ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिनमें कार्यालय के समस्त अधिकारीयों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया।

जबलपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, जबलपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

समारोह के दौरान जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय की राजभाषा गृहपत्रिका 'मेकलसुता' के तृतीय संस्करण का विमोचन मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री पुखराज नेणिवाल, क्षेत्रीय खान नियंत्रक की उपस्थिति में किया गया। विमोचन उपरांत राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं के विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किए गये। कार्यक्रम का संचालन श्री राजू कुमार मिश्रा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी द्वारा किया गया तथा श्री अभिषेक रंजन गौतम, संपर्क हिंदी अधिकारी एवं सहायक खनन अभियंता, भारतीय खान ब्यूरों ने अध्यक्ष, मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय

भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय में दिनांक 13 सितम्बर से 27 सितम्बर, 2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार, निदेशक भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मेरठ एवं अतिथि वक्ता डॉ. पंकज कुमार, ए.जी.एम., बी.आर.बी.आर. ए.आई.टी.टी., जबलपुर उपस्थित रहे। डॉ. पंकज कुमार ने 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता : सफल जीवन की शैली' विषय पर व्याख्यान दिया। 14 सितम्बर, 2024 को हिंदी दिवस के अवसर निदेशालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई गई एवं माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान जी के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया गया।

राजभाषा पखवाड़े के दौरान निदेशालय में सात राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें आलेखन एवं टिप्पण, तात्कालिक निबंध लेखन, हिंदी शुद्धलेखन, कम्प्यूटर में यूनिकोड पर टाइपिंग, अंताक्षरी, प्रश्नमंच एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं थी। प्रोत्साहन योजना के तहत वर्ष भर में 20,000 शब्दों से अधिक हिंदी शब्द लिखने वाले निदेशालय के अधिकारियों/ कर्मचारियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय नगद पुरस्कार एवं अनुभाग हेतु चल शील्ड प्रदान की गई।

राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 27.09.2024 को अपरान्ह 3.00 बजे निदेशालय के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें निदेशालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। समापन के दौरान मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा, कुलपति नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) आर.सी. मिश्रा, कुलपति, महाकौशल महाविद्यालय, जबलपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशालय के निदेशक डॉ.जे.एस. मिश्र, मुख्य अतिथि डॉ. मनदीप शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.सी. मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. पी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. योगिता घरड़े एवं प्रभारी राजभाषा श्री एस.के. पारे द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। इस अवसर पर निदेशालय द्वारा प्रकाशित वार्षिक राजभाषा पत्रिका 'तृण संदेश' के 19 वें अंक, खरपतवार समाचार एवं भा.कृ.अनु.प.–खरपतवार अनुसंधान निदेशालय की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ वर्ष 2023–24 प्रकाशनों का विमोचन मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक महोदय के कर कमलों से किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. मनदीप शर्मा ने कहा कि हमारे देश में खान-पान, रहन-सहन, नृत्य-संगीत अलग-अलग होने के बाद भी राजभाषा हिंदी के प्रति हमारा जुड़ाव अलग है। हमारे प्रधानमंत्री जब भी किसी विदेश दौरे पर जाते हैं तो हिंदी भाषा का ही प्रयोग करते है। हिंदी हमारी राजभाषा है, इसकी उन्नति एवं प्रचार-प्रसार के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना है। विशिष्ट अतिथि, डॉ. आर.सी. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि जब हम अपनी राजभाषा को महत्व देगें तभी उसका विकास हो पाएगा। मैं प्रयाग की धरती से हूँ, हमारे यहां महादेवी वर्मा एवं सूर्यकांत त्रिपाठी

निराला जैसे कवियों का संगम रहा है। देश की विकास यात्रा में हिंदी ने समृद्ध भाषा बनकर वसुधैव कुटुम्बकम की धारणा को सुदृढ़ किया है।

निदेशालय के निदेशक डॉ. जे.एस. मिश्र ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा जब से हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अंगीकार किया गया है तब से केंद्र सरकार के सभी कार्यालय राजभाषा हिंदी के प्रयोग–प्रसार के लिए प्रयासरत हैं। हिन्दी को वैज्ञानिक एवं तकनीकी भाषा के रूप में विकसित करने तथा समृद्ध बनाने में सर्वाधिक महत्व सूचना प्रौद्योगिकी का है। डॉ. पी.के. सिंह, प्रधान वैज्ञानिक व सह अध्यक्ष रा.का. समिति ने कहा कि आज विश्व बाजार, अर्थव्यवस्था, विधि और चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में हिंदी का प्रयोग बढ़ता जा रहा है। सम्पूर्ण विश्व में हिंदी के महत्व को स्वीकार किया जा रहा है। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियागिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं निदेशक महोदय द्वारा पुरस्कार/प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. योगिता घरडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं आभार डॉ. वी.के. चौधरी, प्रधान वैज्ञानिक ने व्यक्त किया, कार्यक्रम को सफल बनाने में रा.का. समिति एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

भारतीय सर्वेक्षण विभाग : मध्यप्रदेश भू–स्थानिक निदेशालय, जबलपुर

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी इस कार्यालय में दिनांक 14.09.2024 से 30.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा–2024 का सफल आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ श्री नितिन जोशी, निदेशक, म.प्र. भू स्थानिक निदेशालय द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। शुभारंभ अवसर पर राजभाषा पखवाड़ा से संबंधित पोस्टर/बैनर कार्यालय के मुख्य द्वार पर लगाये गये। कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे – हिंदी कविता पाठ, तात्कालिक भाषण, टंकण प्रतियोगिता, तस्वीर देखकर निबंध लेखन, एक अक्षर से शब्द रचना, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता एवं वर्ग पहेली इत्यादि आयोजित की गई। साथ ही भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी तस्वीर देखकर निबंध लेखन प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर सहभागिता की। राजभाषा पखवाड़ा – 2024 के दौरान दिनांक 26.09.2024 एवं 27.09.2024 को दो दिवसीय हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। आयोजित इस हिंदी कार्यशाला में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण विभाग के डॉ. संदीप कुशवाहा, वैज्ञानिक–सी, सह राजभाषा अधिकारी एवं श्री प्रवीण कुमार दुबे, अधिकारी सर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग ने व्याख्यान दिये। इस कार्यशाला में 28 अधिकारियों एवं 18 कर्मचारियों ने भाग लिया।

दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के अवसर पर राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संस्थान के निदेशक श्री नितिन जोशी के करकमलों से पुरस्कार प्रदान किये गये। इस प्रकार इस कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

उष्ण कटिबन्धीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार इस कार्यालय में दिनांक 14 सितम्बर 2024 से 30 सितम्बर, 2024 तक राजभाषा पखवाड़ा 2024 का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ माननीय गृह मंत्री जी के हिंदी दिवस विडियो संदेश के माध्यम से किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमा त्रिपाठी, पूर्व विभागाध्यक्ष, पत्राचार विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर, प्रोफेसर कमल नयन शुक्ला, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल', संस्थापक-विश्ववाणी हिंदी संस्थान जबलपुर उपस्थित रहे तथा उन्होंने हिंदी साहित्य में पर्यावरणीय चेतना विषय पर उद्बोधन दिया गया तथा वैज्ञानिकता के साथ-साथ मानविकता के पहलुओं पर विशेष चिंतन एवं कार्य करने हेतु आह्वान किया।

राजभाषा पखवाड़ा के दौरान विशेष रुप से महत्वपूर्ण साहित्यिक, वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक पुस्तकों को 'पुस्तक मेला' के माध्यम से संस्थान के प्रशासनिक भवन में प्रदर्शित किया गया। इस मेले में गीता प्रेस, महेश पुस्तक भण्डार एवं विश्ववाणी हिंदी संस्थान जबलपुर द्वारा उत्कृष्ठ एवं शोध में संलग्न विभिन्न पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान की समूह समन्वयक अनुसंधान अधिकारी श्रीमती नीलू सिंह द्वारा की गई।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 19 सितम्बर 2024 को जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों द्वारा 'वन और हम' विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन भारतीय प्राणि सर्वेक्षण मध्य प्रादेशिक केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस दौरान पर्यावरण प्रदूषण से हो रही बीमारियों जैसे-अस्थमा रोगियों की समस्या एवं समाधान हेतु वृक्षारोपण पर नाट्य अभिनय किया गया तथा उसमें भा.वा.अ.शि.प.-उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान परिषद् द्वारा वृक्षारोपण की भूमिका को भी प्रदर्शित किया गया।

पखवाड़े के दौरान केन्द्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं. के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा पुस्तक प्रदर्शनी एवं संग्रहालय का भ्रमण भी किया।

दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण कार्यक्रम एवं समापन समारोह का आयोजन संस्थान के निदेशक डॉ. हरीश सिंह गिनवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन्होंने राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी विजेता कर्मचारियों को बधाई दी और संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रयोग प्रसार में हो रही उत्तरोत्तर वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा संस्थान में संघ की राजभाषा नीति की अपेक्षाओं के अनुरूप निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के संकल्प को दोहराया।

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण मध्य क्षेत्र प्रादेशिक केंद्र, जबलपुर

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार के निर्देशानुसार प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी इस कार्यालय में दिनांक 16 सितम्बर 2024 से दिनांक 30 सितम्बर 2024 तक राजभाषा पखवाड़े का विधिवत आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा के शुभारंभ अवसर पर संस्थान के प्रभारी अधिकारी डॉ. पी.एस. भटनागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि राजभाषा हिंदी का महत्व केवल राजभाषा पखवाड़ा के दौरान ही नहीं अपितु पूरे वर्ष रहता है अत: आप सभी वर्ष पर्यन्त कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग आवश्यक रूप से करें।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें दिनांक 19 सितम्बर 2024 को 'वन्य जीव संरक्षण' विषय पर आधारित नुक्कड़ नाटक का अभिनय उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान,जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। दिनांक 23 सितम्बर 2024 को 'तस्वीर देखकर निबंध लेखन प्रतियोगिता' भारतीय सर्वेक्षण विभाग, म.प्र. भूस्थानिक निदेशालय जबलपुर, के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। दिनांक 24 सितम्बर 2024 को 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं प्रशासनिक शब्दावली' का आयोजन किया गया। दिनांक 25 सितम्बर 2024 को 'कवि सम्मेलन' का आयोजन किया गया, जिसमें श्रीमती सुनीता केशर, उप–प्राचार्य सह राजभाषा अधिकारी, केंद्रीय विद्यालय, कैंट एरिया, सदर, जबलपुर को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने उद्बोधन में संघ की राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन विषय पर व्याख्यान दिया।

दिनांक 29/09/2024 को कार्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों ने राजभाषा से संबंधित विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखें। डॉ. संदीप कुशवाहा, वैज्ञानिक–सी एवं राजभाषा प्रभारी ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग, म.प्र. भूस्थानिक निदेशालय में राजभाषा के नीति नियम तथा इस संस्थान की कार्य प्रणाली पर चर्चा की।

दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्री नितिन जोशी, निदेशक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, मध्यप्रदेश भू–स्थानिक निदेशालय, जबलपुर, विशिष्ट अतिथि श्रीमती साक्षी भारद्वाज, ब्रांड एंबेसेडर, स्वच्छता अभियान, म.प्र. शासन तथा डॉ. प्रीति खरे, प्राध्यापक, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संलाचन श्री समरजीत कुमार सुमन, कार्यालय अधीक्षक द्वारा किया गया।

अन्य राजभाषा गतिविधियां

दिनांक 10/01/2024 को भारतीय प्राणि सर्वेक्षण मध्य क्षेत्र प्रादेशिक केंद्र, जबलपुर में 'पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धि तक' विषय पर परिचर्चा के साथ अंतर्राष्ट्रीय हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। दिनांक 14/02/2024 को 'संसदीय समिति की कार्यप्रणाली' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें श्री राज रंजन श्रीवास्तव, तात्कालीन सचिव, नराकास–02 ने अपना व्याख्यान दिया।

दिनांक 10 जून 2024 से 14 जून 2024 तक 05 दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. धृति बनर्जी, निदेशिका, भा.प्रा.स., कोलकाता, सम्मानीय अतिथि श्री महेश कुमार, उप मुख्य वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे, डॉ. गुरूपदा मंडल, कार्यालय प्रमुख, भा.प्रा.स.,

वशिष्ठ अतिथि श्री राज रंजन श्रीवास्तव, राजभाषा अधिकारी, पश्चिम मध्य रेलवे तथा डॉ. पी.एस.भटनागर, कार्यालय प्रमुख, भा.प्रा.स., म.क्षे.प्रा.कें., जबलपुर तथा डॉ. संदीप कुशवाहा, राजभाषा प्रभारी, भा.प्रा.स., म.क्षे. प्रा.कें.,जबलपुर की गौरवशाली उपस्थिति में संपन्न हुआ।

उपरोक्त प्रशिक्षण केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली की सहायक निदेशिक श्रीमती लेखा सरीन एवं श्रीमती कुसुम शर्मा द्वारा दिया गया। इसमें पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय, मंडल, नराकास 2 के सदस्य कार्यालय, केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, भारतीय खेल प्राधिकरण तथा इस कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया और प्रमाण पत्र एवं पौधे प्रदान किये गये।

आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर

आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर में दिनांक 17.09.2024 से 30.09.2024 तक राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन किया गया। राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ श्री दिलीप कुमार कोष्टा उ.श्रे.लि. के कर कमलों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों को राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों / प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सभी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दिनांक 30.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री दिलीप कुमार कोष्टा ने अपने संबोधन में हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी कर्मचारियों को अपना अधिकांश कार्यालयीन कार्य राजभाषा हिंदी में करने एवं पुस्तकालय से हिन्दी पुस्तकें पढ़कर हिंदी का ज्ञान बढ़ाने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर समस्त विजेता प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये ।

राजभाषा पखवाड़ा-2024 का कार्यक्रम

18.09.2024	हिंदी निबंध प्रतियोगिता
19.09.2024	राजभाषा प्रश्न मंच कार्यक्रम
20.09.2024	हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता
23.09.2024	हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता
24.09.2024	हिंदी टंकण (यूनिकोड) प्रतियोगिता
25.09.2024	काव्य पाठ प्रतियोगिता
26.09.2024	हिंदी शुद्धलेखन प्रतियोगिता
27.09.2024	अंताक्षरी प्रतियोगिता
30.09.2024	पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह

पावरग्रिड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड : पावर ग्रिड जबलपुर उपकेंद्र

- पावर ग्रिड जबलपुर उपकेंद्र में दिनांक 15 सितम्बर से 29 सितम्बर 2024 तक राजभाषा –पखवाड़ा 2024 का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी, इसमें सभी प्रतिभागी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- दिनांक 14.09.2024 को हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान प्रमुख श्री राजेंद्र गुप्ता, महाप्रबंधक, पावर ग्रिड उपकेंद्र, जबलपुर एवं श्री कुमार राहुल, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के मार्गदर्शन में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान माननीय गृहमंत्री, माननीय विद्युत मंत्री,भारत सरकार का हिंदी दिवस सन्देश सभी के साथ साझा किया गया। इसके साथ ही माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री आर. के. त्यागी जी की ओर से सभी कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने हेतु भेजी गयी अपील पर हिंदी में काम करने संकल्प लिया गया।
- दिनांक 16.09.2024 को सभी कर्मचारियों द्वारा पूरी निष्ठा से राजभाषा नियम, अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम में उल्लेखित प्रावधानों का पालन करने एवं राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने की प्रतिज्ञा ली गयी।
- दिनांक 20.09.2024 को पावरग्रिड जबलपुर उपकेन्द्र स्कूल की कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों हेतु पेंटिंग एवं ड्रॉइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 25 बच्चों ने भाग लिया।
- दिनांक 21.09.2024 को पावरग्रिड जबलपुर उपकेन्द्र स्कूल की कक्षा –6 से ऊपर के बच्चों हेतु हिंदी काव्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे कुल 6 बच्चों ने भाग लिया ।
- दिनांक 24.09.2024 को संस्थान के सभी कर्मचारियों हेतु ऑनलाइन हिन्दी/सामान्य ज्ञान प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।
- दिनांक 26.09.2024 को पावरग्रिड जबलपुर परिवार की सभी महिलाओं हेतु हिन्दी/सामान्य ज्ञान प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गयी।
- दिनांक 28.09.2024 को हिंदीतर भाषी एवं हिन्दी भाषी कर्मचारियों हेतु (दो वर्ग में) 'हिन्दी पुस्तक समीक्षा' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- दिनांक 29.09.2024 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राजेंद्र गुप्ता, महाप्रबंधक ,जबलपुर ने राजभाषा हिंदी का कार्यालयीन कार्य में उपयोग एवं इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। समारोह में उपस्थित श्री कुमार राहुल, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, जबलपुर ने हिंदी भाषा की सरलता एवं इसकी सुगमता के बारे में सभी कर्मचारियों को बताया और 'हिंदी में काम करना आसान है' इस स्लोगन के साथ सभी का उत्साहवर्धन किया।
- कार्यक्रम के अंत में श्री राजेंद्र गुप्ता, महाप्रबंधक, जबलपुर एवं श्री कुमार राहुल, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, जबलपुर द्वारा राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये एवं निर्णायकों को स्मृति चिन्ह भेट किये। इस प्रकार इस कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान के कर्मचारी जवानों के बीच संघ की राजभाषा हिंदी के महत्व और इसके व्यापक प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने के लिए मानव संसाधन विकास केंद्र, जम्मू एवं कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर, जबलपुर में दिनांक 12 से 14 सितंबर, 2024 तक कटोच एजुकेशन ब्लॉक में निम्नलिखित प्रतियोगितायें आयोजित की गई :-

(क) निबंध लेखन एवं कविता पाठ प्रतियोगिता :- दिनांक 12 .09.2024 को हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 29 जवानों ने भाग लिया ।

निर्णायक मंडल

(i) पीठासीन अधिकारी- अनिरुद्ध आनंद, शिक्षा अधिकारी, शिक्षा शाखा।

(ii) सदस्य -(अ)नायब सूबेदार, संदीप कुमार, अभिलेख कार्यालय (ब) नायब सूबेदार, जलील मिया, शिक्षा शाखा

प्रतियोगिताओं का परिणाम :- प्रतियोगिताओं का अंतिम परिणाम इस प्रकार से है:-

निबंध लेखन प्रतियोगिता-

(i)प्रथम पुरस्कार- हवलदार, पवन कुमार-प्रशिक्षण बटालियन

(ii)द्वितीय पुरस्कार- नायक, अरुण शर्मा-प्रशा. बटालियन,

(iii)तृतीय पुरस्कार- राईफल मेन ,कमलजीत, ट्रेनिंग सेल

कविता पाठ प्रतियोगिता-

(i)प्रथम पुरस्कार - हवलदार, पवन कुमार, प्रशि. बटालियन

(ii)द्वितीय पुरस्कार - नायक, स्वरूप सिंह, प्रशि. बटालियन

(iii)तृतीय पुरस्कार - आशुतोष गौर, अभिलेख कार्यालय

त्वरित भाषण एवं सुलेख प्रतियोगिता-13.09. 2024 को त्वरित भाषण प्रतियोगिता एवं सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।जिनमें 26 जवानों ने भाग लिया।

निर्णायक मंडल

(i) पीठासीन अधिकारी - ले. राशिद खान, अभिलेख अधिकारी

(ii) सदस्य-(अ) नायब सूबेदार, संदीप कुमार, प्रशिक्षण बटालियन।

(ब) नायब सूबेदार, जलील मिया, शिक्षा शाखा ।

प्रतियोगिताओं का परिणाम :-प्रतियोगिताओं के अंतिम परिणाम इस प्रकार से हैं:-

त्वरित भाषण प्रतियागिता-

(i) प्रथम पुरस्कार - नायक, अनिल कुमार, प्रशिक्षण बटालियन

(ii)द्वितीय पुरस्कार - मुर्तजा हुसैन, प्रशिक्षण बटालियन

(iii)तृतीय पुरस्कार - हवलदार/क्लर्क, मो. इरफ़ान, अभिलेख कार्या.

सुलेख प्रतियागिता-

(i) प्रथम पुरस्कार - राईफल मेन, दिनेश नायक, प्रशिक्षण बटालियन

(ii)द्वितीय पुरस्कार - नायक, अनिल कुमार, प्रशिक्षण बटालियन

(iii) तृतीय पुरस्कार - हवलदार, जितेन्द्र सिंह, प्रशिक्षण बटालियन

पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह :- राजभाषा पखवाड़ा-2024 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों के उत्साह वर्धन और हौसला आफजाई के लिए 14 सितम्बर 2024 को मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अनिरुद्ध आनंद, शिक्षा अधिकारी, जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर ने ब्रिगेडियर राकेश शर्मा, कमांडेंट, जम्मू और कश्मीर राइफल्स की उपस्थिति में राजभाषा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदय के करकमलों से जवानों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया ।

अंत में हिंदी दिवस समापन समारोह के अवसर पर अपने उद्बोधन में लेफ्टिनेंट कर्नल अनिरुद्ध आनंद, शिक्षा अधिकारी, जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर ने उपस्थित सैनिकों को राजभाषा हिंदी के महत्व और इसके कार्यालीन उपयोग पर प्रकाश डालते हुए दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के व्यापक प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 1 एसटीसी, जबलपुर

राजभाषा विभाग द्वारा प्रेषित मार्गदर्शी रूपरेखा एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन के निर्देशानुसार पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय 1 एस टी सी में राजभाषा पखवाड़ा-2024 बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ दिनांक 2 सितंबर 2024 से 15 सितंबर 2024 तक मनाया गया। केंद्रीय विद्यालय जबलपुर संभाग की सहायक आयुक्त श्रीमती किरण शर्मा द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर मंच से हिंदी पखवाड़ा का औपचारिक शुभारम्भ किया गया। उन्होंने हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी आधिकारिक कार्य अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करने का निर्देश दिया। विद्यालय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के संयोजक श्री नरेंद्र कुमार यादव (स्नातकोत्तर शिक्षक) एवं श्रीमती ममता द्विवेदी, सीसीए प्रभारी एवं स्नातकोत्तर शिक्षक द्वारा विद्यालय के प्राचार्य श्री पी. बी. पाण्डेय के निर्देशानुसार दिनवार आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं, कार्यक्रमों व उनको संपन्न करने के लिए प्रभारी शिक्षकों की सूची से अवगत कराया। विद्यालय के प्राचार्य श्री पी. बी. पाण्डेय के निर्देशानुसार हिंदी पखवाड़े के दौरान प्रात: कालीन सभा में सभी कार्यक्रमों को हिंदी में प्रदर्शित किया गया। हिंदी भाषा को अपने कार्य क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। 'राजभाषा पखवाड़ा' के अंतर्गत निम्न विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए :-

हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी सुलेख प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता, हिंदी टंकण (यूनिकोड) प्रतियोगिता एवं पुस्तक प्रदर्शनी कार्यक्रम आदि ।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का आयोजन प्रभारी शिक्षकों द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। सभी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों ने बड़े ही उत्साह के साथ भाग लिया। राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान हिंदी के शिक्षक एवं विद्यालय के राजभाषा समिति के प्रभारी श्री नरेंद्र कुमार यादव ने हिंदी भाषा के प्रति अपने उदगार प्रकट करते हुए हिंदी साहित्य जगत के विभिन्न कवियों और लेखकों के बारे में बताया और सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे विद्यार्थियों में राजभाषा हिंदी के प्रति रूचि बढ़ाने में अपनी निर्णायक भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री पी. बी. पाण्डेय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र/पारितोषिक वितरित करते हुए अपने उद्बोधन में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अधिक से अधिक हिंदी को अपने कार्य क्षेत्र में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। राजभाषा पखवाड़े को सफल बनाने में सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों का सराहनीय सहयोग रहा। मंच संचालन श्रीमती आज्ञा कौर (प्रशिक्षित हिंदी शिक्षिका) द्वारा किया गया। विद्यालय की वरिष्ठ स्नातकोत्तर शिक्षिका श्रीमती ममता द्विवेदी द्वारा आभार प्रकट किया गया ।

केन्द्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं. (टी.एफ.आर.आई) जबलपुर

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार केन्द्रीय विद्यालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद – उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टी.एफ.आर.आई.) विद्यालय में दिनांक 03 सितम्बर 2024 से 17 सितम्बर 2024 तक राजभाषा पखवाड़ा मनाया गया। राजभाषा पखवाड़ा का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रवीण नायडू के करकमलों से दीप प्रज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती सविता कुमारी, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका, हिंदी ने अपने स्वागत भाषण में राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में राजभाषा हिंदी के उद्‌भव एवं विकास पर अपने विचार व्यक्त किये तथा छात्रों/कर्मचारियों को राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने का आव्हान किया।

राजभाषा पखवाड़े के अंतर्गत अंतरस्तरीय तथा कक्षावार विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्रों तथा कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। राजभाषा पखवाड़ा 2024 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम अनुसार प्रतियोगितायें आयोजित की गई –

राजभाषा पखवाड़ा-2024 का कार्यक्रम

03.09.2024	उदघाटन, विशेष कार्यक्रम (परिचर्चा) हिंदी का महत्व, हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा
04.09.2024	काव्य पाठ प्रतियोगिता (अंतस्तरीय)
05.09.2024	सुलेख प्रतियोगिता।
06.09.2024	कहानी लेखन प्रतियोगिता ।
09.09.2024	शुद्धलेख प्रतियोगिता।
10.09.2024	पुस्तक प्रदर्शनी ।
11.09.2024	कथा वाचन प्रतियोगिता ; अंतरसदनीय ।
12.09.2024	सुलेख प्रतियोगिता, कर्मचारी वर्ग हेतु।
13.09.2024	नारा लेखन प्रतियोगिता ।
14.09.2024	हिंदी दिवस समारोह ।

दिनांक 17 सितम्बर 2024 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का शुभारंभ प्राचार्य महोदय द्वारा द्वीप प्रज्ज्वल एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर राजभाषा पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम की घोषणा की गई। प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों व शिक्षकों को प्राचार्य महोदय के कर कमलों से पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन हिंदी शिक्षिका श्रीमती सविता कुमारी द्वारा किया गया।

रेल डाक सेवा जेबी मण्डल

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देश के अनुपालन में संभागीय कार्यालय, रेल डाक सेवा जेबी मण्डल, जबलपुर में दिनांक 17/09/2024 से 27/09/2024 तक राजभाषा पखवाड़ा-2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान शुद्ध-अशुद्ध वाक्य/सुलेख प्रतियोतगिता, प्रश्नमंच प्रतियोगिता, अंताक्षरी प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता, हिंदी-अंग्रेजी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। उक्त आयोजन के दौरान कार्यालय के कर्मचारियों को अपना दैनिक सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करने हेतु प्रोत्साहित किया गया है।

दिनांक 27.09.2024 को श्री आई.के. लिल्हारे, अधीक्षक रेल डाक सेवा जेबी मण्डल, जबलपुर के मुख्य आतिथ्य में राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागी कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में श्री आर.यू. रहमान, सहायक अधीक्षक, रेल डाक सेवा जेबी मण्डल जबलपुर, विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि श्री लिल्हारे ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि 'हिंदी हमारी राजभाषा है और राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा नैतिक ही नहीं वरन् संवैधानिक दायित्व भी है। साथ ही उन्होंने इस कार्यालय में निम्नलिलिखत मदों में राजभाषा हिंदी में कार्य करने के निर्देश दिये।

1. 'क' और 'ख' क्षेत्रों की केंद्र / राज्य सरकारों को भेजे जाने वाले पत्र आदि हिंदी में बनाये जाएं।
2. समस्त पत्राचार राजभाषा हिंदी में किया जाये।
3. सामान्य आदेश, कार्यालय आदेश, प्रेस विज्ञप्तियां, ज्ञापन, परिपत्र, निविदा सूचना, अधिसूचना, करार, सविंदा, आदि धारा 3 (3) के सभी दस्तावेज द्विभाषी रूप में ही जारी किये जाएं।
4. अपने अधीनस्थ कार्यालयों/अन्य कार्यालयों से प्राप्त अंग्रेजी पत्रों के उत्तर भी हिंदी में दिये जाएं।
5. फ़ाइलों पर शीर्षक एवं टिप्पणी हिंदी में लिखी जाये।
6. लिफाफों पर पते हिंदी में लिखे जाएं एवं निरीक्षण रिपोर्ट, दैनिक डायरी एवं बैठकों की कार्यसूची तथा कार्यवृत आदि हिंदी में ही तैयार किये जाएं।
7. सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिंदी में की जाये।
8. रबर की सील/मुहर, नामपट्ट, साइनबोर्ड, बैनर आदि द्विभाषी रूप में बनाई जाये।
9. समस्त अनुशासनिक कार्यवाही हिंदी में की जाये।
10. सोशल मीडिया पर दी जाने वाली विभाग से संबंधित जानकारी / उपलब्धियां हिंदी में दी जाये।

कार्यक्रम का संचालन श्री डी.के. पटेल, कार्यालय सहायक ने किया। इस प्रकार इस कार्यालय में राजभाषा पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया।

तुलसी मीरा सूर कबीरा घनानंद रसखान।
हिंदी सदियों से रही भारत की पहचान।

भारतीय खाद्य निगम, मंडल कार्यालय–जबलपुर

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के संदर्भ में मुख्यालय द्वारा जारी परिपत्र के अनुपालन में इस कार्यालय में दिनांक–14.09.2024 से 28.09.2024 तक 'राजभाषा पखवाड़ा' का सफल आयोजन किया गया। उच्च कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 14.09.2024 को राजभाषा हिंदी पखवाडा का शुभारम्भ श्री संगीत वर्मा जी के अध्यक्षता में किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्री जगदीश दशरथ निखारे (सचिव), श्री ओम प्रकाश संग्राम, प्रबन्धक (समन्वय), श्रीमती करुणा राजगोपाल प्रबन्धक (लेखा), श्री प्रदीप कुमार शुक्ल, प्रबन्धक (संविदा) द्वारा हिंदी दिवस सन्देश का वाचन किया गया।

राजभाषा पखवाड़ा–2024 के दौरान हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, शुद्ध वर्तनी, चित्र आलेखन प्रतियोगिता एवं राजभाषा प्रश्न मंच (सामान्य ज्ञान/कार्यालयीन प्रयोग) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिनमें इस कार्यालय के कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। दिनांक 28–09–2024 को राजभाषा पखवाड़ा पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान प्रमुख श्री संगीत वर्मा, मंडल प्रबन्धक ने राजभाषा प्रतियोगिताओं में सफल प्रतिभागी कर्मचारियों को राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया। मंडल प्रबन्धक महोदय ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में राजभाषा हिंदी में कार्य करने हेतु प्रबल जोर दिया तथा हिंदी के लिए उपलब्ध विभिन्न एप्स एवं उपलब्ध ऑनलाइन सामग्री की जानकारी दी।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय, जबलपुर

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय, जबलपुर में दिनांक 14 सितम्बर से 29 सितम्बर 2024 तक 'राजभाषा पखवाड़ा' का सफल आयोजन किया गया। इस दौरान हिंदी टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिता, विचार प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिता, कम्प्युटर पर हिंदी यूनिकोड का प्रयोग प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया।

दिनांक 01 अक्टूबर 2024 को राजभाषा पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। श्री राकेश सहरावत, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त–। की अध्यक्षता में आयोजित समापन समारोह में श्री अशोक कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, खान सुरक्षा महानिदेशालय एवं श्रीमती प्रीति यादव, (आईएएस), आयुक्त, नगर निगम विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान एक कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। समारोह के अंत में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

01

कार्यालय का नाम	: महाप्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महाप्रबंधक
कार्यालय का पता	: इंदिरा मार्केट, जबलपुर- 482001
ई-मेल	: narakas02jabalpur@gmail.com
मोबाइल	: 9752415614 (सचिव, नराकास) 9752784250 (संपर्क)

02

कार्यालय का नाम	: मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय, जबलपुर, पमरे
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री विवेकशील
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: मंडल रेल प्रबंधक
कार्यालय का पता	: मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय रेलवे स्टेडियम के पास,जबलपुर-482001
ई-मेल	: drmjbpwcr@gmail.com
दूरभाष	: 0761-2678080
मोबाइल	: 9752418000

03

कार्यालय का नाम	: कार्यालय, महानिदेशक लेखा परीक्षा पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री रविन्द्र पत्तार,(आई.ए.ए.एस.)
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महानिदेशक
कार्यालय का पता	: एनेक्स -II, तीसरी मंजिल, प्लेटफार्म नं. 6, रेलवे स्टेशन, जबलपुर-482001
ई-मेल	: pdarlywcr@cag.gov.in
दूरभाष / मोबाइल	: 0761-2621075 / 9752415992

04

कार्यालय का नाम	: भा.कृ. अनु. प.-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम	: डॉ. जे.एस. मिश्र
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
कार्यालय का पता	: महाराजपुर, अधारताल, जबलपुर, 482004
ई-मेल	: director.weed@icar.gov.in
दूरभाष	: 0761-2353001, 2353934
मोबाइल	: 8409899897

05

कार्यालय का नाम	: भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, टीएफआरआई
कार्यालय प्रमुख का नाम	: डॉ. हरीश सिंह गिनवाल
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
कार्यालय का पता	: पो.आ. आर.एफ.आर.सी. मंडला रोड, जबलपुर - 482021
ई-मेल	: dir-tfri@icfre.org
दूरभाष / मोबाइल	: 0761-2840483 / 9412413158

06

कार्यालय का नाम	: महाप्रबंधक (मध्य-पश्चिम), गुणवत्ता आश्वासन एवं निरीक्षण परिमंडल, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री हरि नारायण
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: महाप्रबंधक
कार्यालय का पता	: गुणवत्ता आश्वासन एवं निरीक्षण परिमंडल, बीएसएनएल संचार विकास भवन, रेसीडेंसी रोड, जबलपुर, 482001
ई-मेल	: hari.narayan@bsnl.co.in
दूरभाष / मोबाइल	: 0761-2621100 / 9869450606

07

कार्यालय का नाम	: पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, जबलपुर उपकेन्द्र
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री कुमार राहुल
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: वरिष्ठ उप महाप्रबंधक
कार्यालय का पता	: 400/220 के. व्ही. पावरग्रिड उपकेंद्र, सूखा गांव,पाटन बाईपास जबलपुर-482002
ईमेल	: jabalpurpoolingss@powergrid.co.in
दूरभाष / मोबाइल	: 93010 57011 / 9111103692

08

कार्यालय का नाम	: भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्र प्रादेशिक केन्द्र, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम	: डॉ. पंकज सरूप भटनागर
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: वैज्ञानिक - ई
कार्यालय का पता	: स्कीम नं. 5, प्लाट नं. 168-169, विजय नगर, जबलपुर, 482002
ई-मेल	: zsiczrcjabalpur@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल	: 0761-2641792 / 9403769408

09

कार्यालय का नाम	: मध्य प्रदेश भू-स्थानिक निदेशालय
कार्यालय प्रमुख का नाम	: श्री नितिन जोशी
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: निदेशक
कार्यालय का पता	: एस.बी.आई. चौक, विजय नगर, जबलपुर- 482002
ई-मेल	: mp.gdc.soi@gov.in
दूरभाष / मोबाइल	: 0761-2647366 / 9412941204

10

कार्यालय का नाम	: 1, एस.टी.सी. (सिगनल एवं प्रशिक्षण केन्द्र
कार्यालय प्रमुख का नाम	: लेफ्टिनेन्ट कर्नल प्रभा विष्ट
कार्यालय प्रमुख का पदनाम	: शिक्षा अधिकारी
कार्यालय का पता	: 1, एस.टी.सी. (सिगनल एवं प्रशिक्षण केन्द्र, मिलिट्री हॉस्पिटल के पास, जबलपुर-482001
ई-मेल	: deepikasinghvishu90@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल	: 7898655237, 9501277577

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

11 कार्यालय का नाम : जम्मू और कश्मीर राईफल्स रेजिमेंटल सेंटर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री राकेश शर्मा
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : ब्रिगेडियर
कार्यालय का पता : जैक रीफ रेजिमेंटल सेंटर, कैंट, जबलपुर- 482001
ई-मेल : katocheducationblock@gmaill.com
दूरभाष / मोबाइल : 4600036415 / 7974981790

12 कार्यालय का नाम : आयकर अपीलीय अधिकरण, जबलपुर न्यायपीठ, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री कुल भारत
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : उपाध्यक्ष
कार्यालय का पता : फ्लोरा हाउस, 46, नेपियर टाउन, होटल कृष्णा के पास, जबलपुर - 482001
ई मेल : jabalpur.bench.itat@nic.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2450443 / 9725036275

13 कार्यालय का नाम : खान सुरक्षा महानिदेशालय जबलपुर क्षेत्र
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री अशोक कुमार
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : खान सुरक्षा निदेशक
कार्यालय का पता : प्लाट नं. 1936-1949, जेडीए स्कीम नं.5, जॉय हायर सेकेंडरी के पीछे,विजय नगर, जबलपुर-482002
ई-मेल : nz.jbpdgms@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2640365 / 7588513640

14 कार्यालय का नाम : भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री अरबिन्दो विश्वास
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : निदेशक
कार्यालय का पता : संजीवनी नगर, गढ़ा मार्ग, जबलपुर-482001
ई-मेल : hoo.sump.jbp@gsi.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 7044267798

15 कार्यालय का नाम : क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय खान ब्यूरो
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री पुखराज नेणिवाल
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय खान नियंत्रक
कार्यालय का पता : योजना क्र. 11, कमला नेहरू नगर, जबलपुर-482003
ईमेल : ro.jabalpur@ibm.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2416389 / 9663875407

16 कार्यालय का नाम : नेशनल फर्टीलाइजर्स लिमिटेड
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री यशवन्त कुमार झारिया
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय प्रबंधक
कार्यालय का पता : क्षेत्रीय कार्यालय, 642/ए, राइट टाउन, स्टेडियम गेट नं. 1 के पास,जबलपुर, 482001
ई-मेल : nflaojabalpur@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 9877615105

17 कार्यालय का नाम : हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि. एलपीजी क्षेत्रीय कार्यालय, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री अरविन्द मिश्रा
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय प्रबंधक
कार्यालय का पता : गंगोत्री अपार्टमेंट, गोल बाजार, शहीद स्मारक, जबलपुर- 482001
ई-मेल : arvindmishra@hpcl.in
दूरभाष / मोबाइल : 9324506523

18 कार्यालय का नाम : भारतीय खाद्य निगम, मण्डल कार्या.जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री हेमेन्द्र प्रताप सिंह
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : मंडल प्रबंधक
कार्यालय का पता : 2722, आशा विकास केन्द्र, नेपियर टाउन, जबलपुर-482001
ई-मेल : jabalmp.fci@gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2623588 / 0761-2623588

19 कार्यालय का नाम : दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड, क्षेत्रीय निदेशालय
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्रीमती सुधा विजय आत्राम
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी)
कार्यालय का पता : 1/1, प्रथम मंजिल, बल्देवबाग चौक जबलपुर- 482002 (म.प्र.)
ई-मेल : rd-jabalpur@cbwe.nic.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2751756 / 7709595674

20 कार्यालय का नाम : कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कार्यालय जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री राकेश सहरावत
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1
कार्यालय का पता : स्कीम नं. 5, कृषि उपज मंडी के पास, विजय नगर,जबलपुर-482002
ई-मेल : ro.jabalpur@epfindia.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 2640601 / 9999114030, 9893396953

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

21 कार्यालय का नाम : क्षेत्रीय आयुक्त, कोयला खान भविष्य निधि संगठन, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री आर.एस. कश्यप
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : क्षेत्रीय आयुक्त-I
कार्यालय का पता : शक्ति नगर, गुप्तेश्वर, जबलपुर-482001
ई-मेल : jabalpur@cmpfo.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 2422896, 2420498 / 8839639113

22 कार्यालय का नाम : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. शाखा विक्रय कार्यालय, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री राहुल तनेजा
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : शाखा प्रबंधक
कार्यालय का पता : 500, मढ़ाताल, जबलपुर-482002
ई-मेल : bmjab.cmo@sail.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2480682 / 8427368866

23 कार्यालय का नाम : 29 वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री दुष्यंतराज जायसवाल
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : सेनानी
कार्यालय का पता : 29वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, जमतरा कैम्प, पो.-गौर जबलपुर-2
ई मेल : itcell29thbn@itbp.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2930022 / 7000759661

24 कार्यालय का नाम : केन्द्रीय विद्यालय उ.व.अ.सं. जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री प्रवीण नायडू
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : प्राचार्य
कार्यालय का पता : केन्द्रीय विद्यालय, उ.व.अ.सं., पो.-आर.एफ.आर.सी., मण्डला रोड, जबलपुर-482021
ई-मेल : tfrijabalpurkv@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2840480 / 9997149349

25 कार्यालय का नाम : पी. एम. श्री केंद्रीय विद्यालय, 1 एस.टी.सी., जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री पी.बी. पांडेय
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : प्राचार्य
कार्यालय का पता : केंद्रीय विद्यालय 1 एस.टी.सी., केंट एरिया, जबलपुर - 482001
ई मेल : 1stcs1jbp@kvsrojabalpur.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761 - 2931011 / 9407765300

26 कार्यालय का नाम : पी.एम. श्री केंद्रीय विद्यालय सीएमएम, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री अनुपम शुक्ला
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : प्राचार्य
कार्यालय का पता : केंद्रीय विद्यालय, सीएमएम, लेखा नगर, रिज रोड, जबलपुर - 482001
ई-मेल : cmmjbp@kvsrojabalpur.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2601703 / 7987714335

27 कार्यालय का नाम : अनुविभागीय अभियंता कार्यालय, केन्द्रीय जल आयोग, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री गिरिराज शरण सिंह दांगी
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : अनुविभागीय अभियंता
कार्यालय का पता : अनुविभागीय अभियंता कार्यालय, ऊपरी नर्मदा उपमंडल, केन्द्रीय जल आयोग, टाईप-1, 37-40, सर्वे ऑफ इंडिया कालोनी, विजय नगर जबलपुर-482002
ई-मेल : sde_cwcjabalpur@rediffmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2643573 / 7999382880

28 कार्यालय का नाम : कार्यपालक अभियंता केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग,जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री ओमप्रकाश मिश्रा
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : कार्यपालक अभियंता
कार्यालय का पता : कार्यपालक अभियंता, केन्द्रीय मंडल, के.लो.नि.वि.टाईप-IV क्वा.नं.3-4 सर्वे ऑफ इंडिया कॉलोनी, विजय नगर, जबलपुर-482002
ई-मेल : eejabalpurdivn@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 2642247 / 9826390988, 9425893877

29 कार्यालय का नाम : भारतीय खेल प्राधिकरण खेल प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्रीमती दुर्गेश नंदनी यादव
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : केन्द्र प्रभारी
कार्यालय का पता : रानीताल खेल परिसर, रानीताल जबलपुर-482002
ई-मेल : saistcjbp@yahoo.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2440890 / 9098530772

30 कार्यालय का नाम : रेल डाक सेवा, जेबी मंडल, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री आई. के. लिल्हारे
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : अधीक्षक
कार्यालय का पता : अधीक्षक रेल डाक सेवा, जेबी मंडल, जबलपुर-482001
ई-मेल : rmsdojb.mp@indiapost.gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2622808 / 7697482919

नराकास कार्यालय क्रमांक-02 के सदस्य कार्यालयों की सूची

31 कार्यालय का नाम : छावनी अधिशासी अधिकारी छावनी परिषद, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री अभिमन्यु सिंह
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : मुख्य अधिशासी अधिकारी
कार्यालय का पता : छावनी परिषद, कार्यालय, जबलपुर-482001
ई-मेल : ceo.cbjabalpur@gmail.com
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2620167 / 0761-2623872

32 कार्यालय का नाम : स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (भं) केन्द्रीय आयुध भंडार, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री सरोज बी.एन. सिंह
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : वरिष्ठ लेखा अधिकारी
कार्यालय का पता : स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (भं), केन्द्रीय आयुध भंडार, जबलपुर-482001
ई-मेल : laocodjbp.dad@hub.nic.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2431010 / 9091298685

33 कार्यालय का नाम : 506 आर्मी बेस वर्कशाप
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री ए. के. शर्मा
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : कमाण्डेंट एण्ड एम.डी.
कार्यालय का पता : 506, आर्मी बेस वर्कशाप, जबलपुर-482001
ई मेल :
दूरभाष / मोबाइल : 2330421/6800

34 कार्यालय का नाम : हिंदी शिक्षण योजना
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री घनश्याम प्रसाद नामदेव
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : सहायक निदेशक
कार्यालय का पता : गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, हिंदी शिक्षण योजना, 1005, नव आदर्श कालोनी, एम.आर.-4 रोड, जबलपुर-482002
ई-मेल : chti1065@nic.in
दूरभाष / मोबाइल : 0761-2450432 / 9703239649

35 कार्यालय का नाम : इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड जबलपुर मंडल, जबलपुर
कार्यालय प्रमुख का नाम : श्री सुनील विक्रम सिंह
कार्यालय प्रमुख का पदनाम : उप महाप्रबंधक
कार्यालय का पता : द्वितीय मंजिल, ब्लाक नं. 9, सिविक सेंटर, मढ़ाताल, जबलपुर-482002
ई मेल : singh_sv@indianoil.in
मोबाइल : 9443336642

36 कार्यालय वरिष्ठ लेखा अधिकारी दुर्ग अभियंता (परियोजना)
506 आर्मी बेस वर्कशॉप के पास, खमरिया - 1, जबलपुर-482005
ई-मेल : aogekhamaria.dad@gov.in
दूरभाष / मोबाइल : 8982643635, 9770487949

37 वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, स्थानीय लेखा परीक्षा कार्यालय
506, आर्मी बेस, वर्कशॉप, खमरिया,जबलपुर-482005
दूरभाष : 0761-2430679 मो. : 9091298685
ई-मेल : lao506abw@gmail.com

38 पीठासीन अधिकारी
औद्योगिक श्रम न्यायालय एवं न्यायाधिकरण
1230, गोल बाजार, राइट टाउन
जबलपुर - 482002

39 स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी (सैन्य)
श्री ए. के. एस. परमार, वरिष्ठ लेखा अधिकारी
सृजन चौक, सदर केन्ट, जबलपुर-482001
दूरभाष : 7999640930, 9752598745
ई-मेल : laoajbp@gmail.com

40 कमान अधिकारी
सिगनल अभिलेख कार्यालय जबलपुर
पो. बा. 5, पचपेढ़ी जबलपुर-482001

41 कमान्डेंट
ग्रेनेडियर्स रेजीमेंटल सेंटर
जबलपुर-482001

42 क्षेत्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय
सैन्य अभियंता सेवाएँ
जबलपुर-482002

43 कमान्डेंट
कॉलेज ऑफ मटेरियल मेंनेजमेंट
पो. बा. नं. 3, रिज रोड, पचपेढ़ी
जबलपुर-482001

44 उप मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), जबलपुर
श्री सुनीत, क्षेत्रीय श्रमायुक्त (केन्द्रीय)
प्रथम मंजिल, ब्लाक नं. 10, सिविक सेंटर,
मढ़ाताल, जबलपुर- 482002
मो. : 7087409006 ई-मेल : dyclcjbp-mp@nic.in

45 मुख्य महाप्रबंधक
दूरसंचार निर्माणी
रिछाई, जबलपुर - 482001

46 लेखा कार्यालय दुर्ग अभियंता (पूर्व)
श्री इंद्रजीत तिवारी, वरिष्ठ लेखा अधिकारी
सीओडी केम्पस के पास, रांझी, जबलपुर
दूरभाष : 8982643635
ई-मेल : aobeeastjabalpur.dad@nic.in

छायाचित्र वीथिका

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 14 वीं छ :माही बैठक

नराकास की 14 वीं बैठक के दौरान दीप प्रज्ज्वलित करती हुई
श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, अध्यक्ष, नराकास 02, जबलपुर

बैठक की अध्यक्षता करती हुई श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय, अध्यक्ष,
नराकास 02, जबलपुर एवं उपस्थित तत्कालीन मुराधि, श्री अमरेन्द्र कुमार

अध्यक्षीय उदबोधन देती हुई श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय

बैठक में उपस्थित समिति सदस्य, कार्यालय प्रमुख एवं
अन्य प्रतिनिधि अधिकारीगण

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय क्रमांक 02, जबलपुर की 14वीं बैठक का एक विहंगम दृश्य

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 13 वीं छ :माही बैठक का आयोजन

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक,पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

सदस्य कार्यालयों को नगर राजभाषा शील्ड प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

सदस्य कार्यालयों को नगर राजभाषा ट्रॉफी प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति कार्यालय क्र. 02 जबलपुर की 13 वीं छ:माही बैठक का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्रमांक 02 की वार्षिक पत्रिका 'सरल' के चतुर्थ अंक का विमोचन करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पमरे एवं समिति सदस्य कार्यालय प्रमुख

महाप्रबंधक कार्यालय, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर को 'समग्र दक्षता शील्ड' प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पमरे

सदस्य कार्यालयों को राजभाषा प्रेरणा पुरस्कार प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

सदस्य कार्यालयों को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए श्री रवि शंकर सक्सेना, तत्कालीन मुराधि एवं अपर महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर

गौंड़ चित्रकला

बनारस घाट

पेंटिंग : श्रीमती किरण राज

पत्नी – श्री नवनीत राज,

उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (कोचिंग), पमरे, जबलपुर

सफल राजभाषा कार्यान्वयन के सूत्र

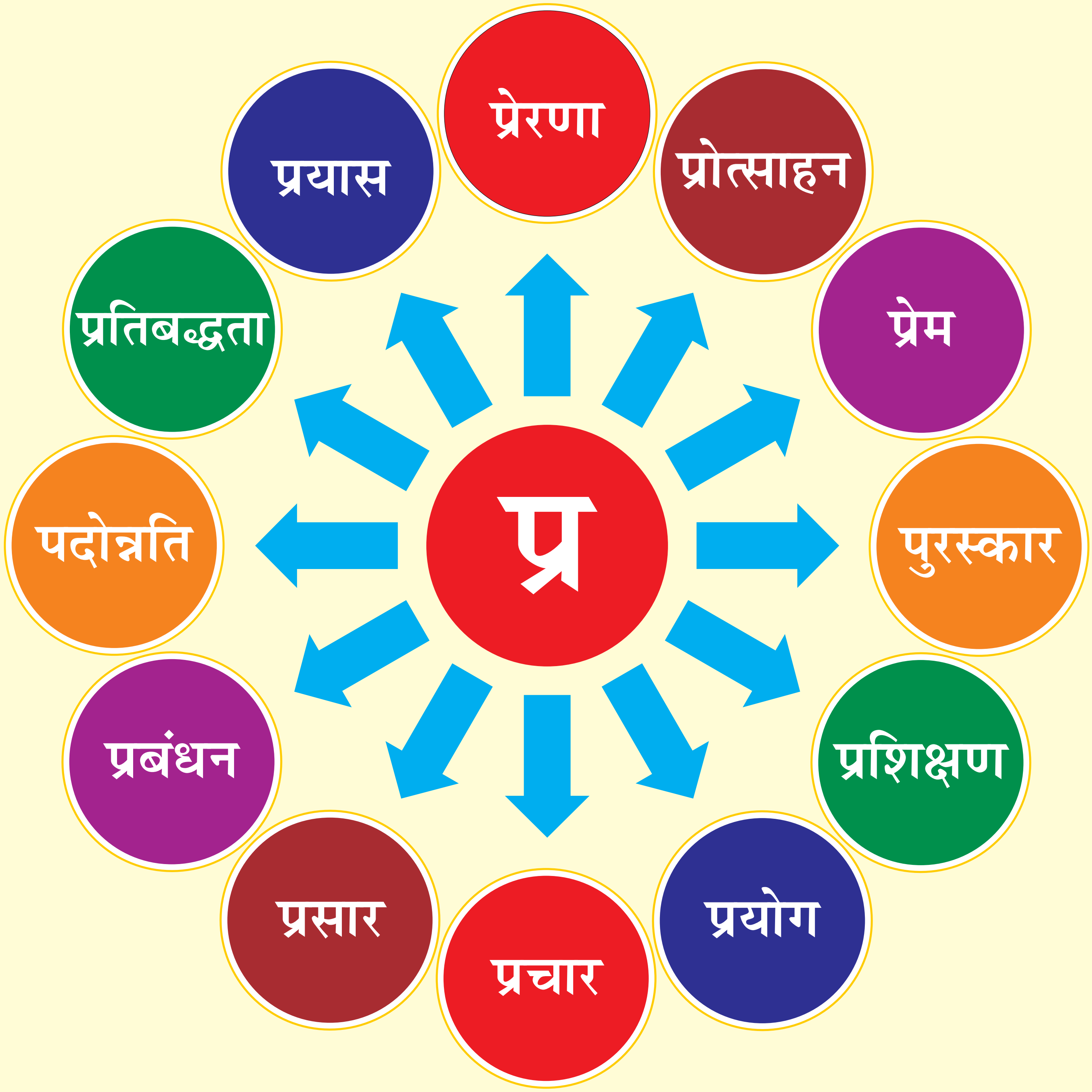

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी